फरवरी, 2025

CUET (UG)

समसामयिक घटनाएँ और सामान्य ज्ञान

CUET (UG) जनरल टेस्ट हेतु

For More Information Visit www.drishticuet.com or Contact on 8010-699-000

drishticuethindi drishticuethindi DrishtiCUET_Hindi @drishticuethindi

In the journey towards achieving a distinguished career, choosing the right guide is as crucial as the aspirant's dedication and hard work. Drishti, with its pioneering CUET (UG) program, stands as a beacon of excellence for young aspirants.

Admissions Open in English & Hindi Medium for CUET (UG) Foundation and Crash Courses

CUET (UG) Foundation & Crash Courses in English Medium

- CUET (UG) General Aptitude Test
- CUET (UG) English Language
- CUET (UG) History Domain
- CUET (UG) Political Science Domain
- CUET (UG) Geography Domain
- CUET (UG) Psychology Domain
- CUET (UG) Economics Domain
- CUET (UG) Mathematics Domain
- CUET (UG) Business Studies Domain
- CUET (UG) Accountancy Domain
- CUET (UG) Chemistry Domain
- CUET (UG) Physics Domain
- CUET (UG) Biology Domain
- CUET (UG) Combo (General Aptitude Test + English Language)

CUET (UG) फाउंडेशन और क्रेश कोर्सेस हिंदी माध्यम में

- CUET (UG) जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट
- CUET (UG) हिंदी भाषा
- CUET (UG) इतिहास डोमेन
- CUET (UG) राजनीति विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) भूगोल डोमेन
- CUET (UG) अर्थशास्त्र डोमेन
- CUET (UG) समाजशास्त्र डोमेन
- CUET (UG) भौतिक विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) रसायन विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) जीव विज्ञान डोमेन
- CUET (UG) Combo (जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट + हिंदी भाषा)

Key Features of Drishti CUET (UG) Courses

- Best Faculties
- Live Classes
- Topic-wise Practice Worksheets
- Up-to-date Study Materials As Per Latest Syllabus
- Post Class Assistance & Doubt Solving Sessions
- Daily News Updates and Monthly Current Affairs Compilation

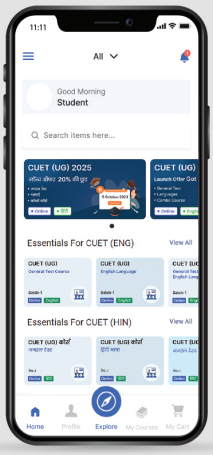

Drishti Learning App

Get that 'Online Edge' in your preparation for CUET (UG), all from the convenience of your home.

Website | YouTube | PYQ's as Quizzes | Scan me for English Courses | Scan me for Hindi Courses

For more information please contact on **87501-87501**

विवरणिका

1. भारतीय राजव्यवस्था

- ज्ञानेश कुमार – नए मुख्य चुनाव आयुक्त 1

2. भूगोल

- पृथ्वी के आंतरिक कोर में संरचनात्मक परिवर्तन 2
- अंतर्देशीय जल परिवहन टर्मिनल 2
- सोलिगा जनजातियाँ 2
- भारतीय पशु कल्याण बोर्ड 3

3. भारतीय अर्थव्यवस्था

- केंद्रीय बजट 2025 4
- मौद्रिक नीति 4
- विश्व आर्थिक मंच वार्षिक बैठक 2025 5
- स्वायत्त पहल 5

4. इतिहास

- आदि महोत्सव–2025 7
- काशी तमिल संगमम 3.0 7
- महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती 7
- वीर सावरकर 8

5. विश्व मामले

- पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन 9
- बंगाल की खाड़ी अंतर-सरकारी संगठन 9
- भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2024 10
- प्रकृति 2025 10

6. विविध

- पुरस्कार 11
- महत्वपूर्ण तिथियाँ एवं घटनाएँ 12
- चर्चित व्यक्तित्व 12

1 भारतीय राज्यवयवस्था

ज्ञानेश कुमार – नए मुख्य चुनाव आयुक्त

चर्चा में क्यों?

17 फरवरी, 2025 को कानून मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत का अगला मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया।

चयन एवं नियुक्ति

- **नियुक्ति प्राधिकारी:** नई दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति द्वारा **चयन** किया जाएगा।
- **वरिष्ठता:** मुख्य चुनाव आयुक्त बनने से पहले, वह मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के बाद सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त थे।
- **केन्द्र सरकार में भूमिकाएँ:** राष्ट्रीय स्तर पर, ज्ञानेश कुमार ने विभिन्न महत्वपूर्ण मंत्रालयों में कार्य किया है, जिनमें शामिल हैं:
  - संयुक्त सचिव, रक्षा मंत्रालय
  - संयुक्त सचिव एवं अपर सचिव, गृह मंत्रालय
  - सचिव, संसदीय कार्य मंत्रालय
  - सचिव, सहकारिता मंत्रालय
  - उनके सबसे उल्लेखनीय योगदानों में से एक केंद्रीय गृह मंत्रालय में कार्य करते हुए जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद प्रमुख निर्णयों को लागू करने में उनकी भूमिका थी।

ज्ञानेश कुमार

2 भूगोल

पृथ्वी के आंतरिक कोर में संरचनात्मक परिवर्तन

चर्चा में क्यों?

नेचर जियोसाइंस के अध्ययन से पृथ्वी के आंतरिक कोर में संरचनात्मक बदलावों का पता चला है।

मुख्य निष्कर्ष

- **कार्यप्रणाली:** अंटार्कटिका के निकट 1991-2024 तक की भूकंपीय तरंगें सूक्ष्म परिवर्तन दर्शाती हैं, जो मूल गतिशीलता का संकेत देती हैं।
- **संरचनात्मक परिवर्तन:** पृथ्वी के आंतरिक कोर की सतह पर संरचनात्मक परिवर्तन हो रहे हैं, जो पहले की इस धारणा को चुनौती दे रहा है कि यह कठोर और स्थिर है।
- **कारण:** पिघले हुए बाहरी कोर और ठोस आंतरिक कोर के बीच परस्पर क्रिया के कारण चिपचिपा विरूपण, मैग्मा प्रवाह के समान।

आंतरिक कोर तथ्य

- **संरचना:** अत्यधिक दबाव में एक ठोस लौह-निकल गेंद।
- **गहराई और आकार:** 5,150 किमी गहराई, 1,220 किमी त्रिज्या; लेहमैन असंततता द्वारा बाहरी कोर से अलग।
- **चुंबकत्व:** पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित करता है, जबकि बाहरी कोर का घूमता लोहा इसे उत्पन्न करता है।
- **घूर्णन:** पृथ्वी की तुलना में थोड़ा तेज गति से चलता है, प्रत्येक 1,000 वर्ष में एक अतिरिक्त घूर्णन पूरा करता है।
- **वृद्धि:** 1 मिमी/वर्ष की दर से असमान रूप से फैलता है, तथा धीमी क्रिस्टलीकरण और रेडियोधर्मी क्षय के कारण कभी भी पूरी तरह ठोस नहीं बनता।

अंतर्देशीय जल परिवहन टर्मिनल

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय पत्तन, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने हाल ही में असम के जोगीघोपा में ब्रह्मपुत्र नदी पर एक अंतर्देशीय जलमार्ग टर्मिनल का उद्घाटन किया।

अंतर्देशीय जल परिवहन टर्मिनल के बारे में

- इसकी आधारशिला प्रधानमंत्री द्वारा फरवरी 2021 में रखी गई थी।
- इस टर्मिनल को क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने तथा भूटान और बांग्लादेश के साथ त्रिपक्षीय व्यापार को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- 82 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस टर्मिनल का उद्देश्य है:
  - परिवहन लागत कम करें।
  - ब्रह्मपुत्र नदी के माध्यम से माल की आवाजाही के लिए पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ विकल्प प्रदान करना।
- अनुमान है कि 2027 तक टर्मिनल प्रतिवर्ष 1.1 मिलियन टन कार्गो संभाल सकेगा।

सोलिगा जनजातियाँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, मन की बात कार्यक्रम में भारत के प्रधानमंत्री ने बिलिगिरी रंगास्वामी मंदिर (बीआरटी) टाइगर रिजर्व के सोलिगा आदिवासी समुदाय की बाघ संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

सोलिगा जनजातियाँ के बारे में

- सोलिगा एक स्वदेशी, वनवासी समुदाय है जो मुख्य रूप से तमिलनाडु और कर्नाटक में पाया जाता है।
- "सोलिगा" नाम का अर्थ है "बांस के बच्चे", जो प्रकृति के साथ उनके गहरे संबंध और उससे उत्पन्न होने में उनके विश्वास का प्रतीक है।

- वे बिलिगिरी रंगना पहाड़ियों और माले महादेश्वर पहाड़ियों के आसपास के वन क्षेत्रों में निवास करते हैं।
- 2011 में, सोलिगा बाघ अभयारण्य में रहने वाला पहला जनजातीय समुदाय बन गया, जिसके वन अधिकारों को न्यायालय द्वारा कानूनी मान्यता दी गई।

भारतीय पशु कल्याण बोर्ड

चर्चा में क्यों?

भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में प्राणी मित्र और जीव दया पुरस्कार समारोह का आयोजन किया।

- पशु चिकित्सकों, नीति निर्माताओं और क्षेत्रीय अधिकारियों की सहायता के लिए पशु कल्याण कानूनों और नीतियों पर चार पुस्तकें जारी की गईं।

पुरस्कारों के बारे में

- **प्राणी मित्र पुरस्कार (1966):** पशु कल्याण और संरक्षण में असाधारण योगदान के लिए व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित किया जाता है।
- **जीव दया पुरस्कार (2001):** पशु कल्याण के प्रति समर्पण के लिए पशु प्रेमियों को सम्मानित किया जाता है।

भारतीय पशु कल्याण बोर्ड

- यह मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है, जो भारत में पशु कल्याण को बढ़ावा देता है और पशु क्रूरता को रोकता है।
- **स्थापना:** पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत 1962
- **मुख्यालय:** बल्लभगढ़, हरियाणा
- **संस्थापक:** रुक्मिणी देवी अरुंडेल

लोगो: भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड

3 भारतीय अर्थव्यवस्था

केंद्रीय बजट 2025

चर्चा में क्यों ?

वित्त मंत्री ने 2025-2026 के लिए केंद्रीय बजट पेश किया।

विषय: "सबका विकास", जिसका उद्देश्य संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना है।

बजट के बारे में

- **संवैधानिक स्थिति:** अनुच्छेद 112 के तहत वार्षिक वित्तीय विवरण के रूप में परिभाषित।

नोट:
संविधान में "बजट" शब्द का सीधे तौर पर उल्लेख नहीं किया गया है।

- **परिभाषा:** बजट एक वित्तीय वर्ष के लिए सरकार की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का विवरण है।
- **जिम्मेदारी:** वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आर्थिक मामलों का विभाग केंद्रीय बजट तैयार करने के लिए जिम्मेदार है।

मौद्रिक नीति

चर्चा में क्यों ?

नए आर.बी.आई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति (एम.पी.सी) की बैठक 5 से 7 फरवरी तक हुई, जिसमें ऋण नीति निर्णय की घोषणा आज, 7 फरवरी को की जाएगी।

मौद्रिक नीति

- **परिभाषा** : आर.बी.आई अधिनियम में उल्लिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मौद्रिक उपकरणों का उपयोग करने वाली केंद्रीय बैंक की नीति को संदर्भित करता है।
- **उद्देश्य** : प्राथमिक लक्ष्य विकास को बढ़ावा देते हुए मूल्य स्थिरता बनाए रखना है। सतत विकास के लिए मूल्य स्थिरता आवश्यक है।
- **मुद्रास्फीति लक्ष्य** : $4\% \pm 2\%$ निर्धारित, आर.बी.आई के परामर्श से भारत सरकार द्वारा हर 5 वर्ष में समीक्षा की जाती है।

मौद्रिक नीति के उपकरण

- **रेपो दर** : वह ब्याज दर जिस पर आर.बी.आई बैंकों को संपार्श्विक के बदले रात भर के लिए तरलता प्रदान करता है।
- **रिवर्स रेपो दर** : वह ब्याज दर जिस पर आर.बी.आई रातोंरात बैंकों से तरलता अवशोषित करता है।
- **तरलता समायोजन सुविधा:** इसमें अंतरबैंक बाजार को विकसित करने और मौद्रिक नीति संचरण में सुधार करने के लिए ओवरनाइट और टर्म रेपो नीलामियां शामिल हैं।
- **सीमांत स्थायी सुविधा:** यह सुविधा बैंकों को दंडात्मक दर पर अपने एसएलआर पोर्टफोलियो का उपयोग करके आरबीआई से रातोंरात अतिरिक्त धनराशि उधार लेने की अनुमति देती है।
- **कॉरिडोर** : एमएसएफ और रिवर्स रेपो दरें भारित औसत कॉल मनी दर की सीमा निर्धारित करती हैं।
- **बैंक दर** : वह दर जिस पर आरबीआई वाणिज्यिक पत्रों को खरीदता है या पुनर्बट्टा करता है; एमएसएफ और रेपो दर के साथ संरेखित।
- **नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर)** : बैंकों की शुद्ध मांग और सावधि देयताओं (एनडीटीएल) का वह प्रतिशत जिसे आरबीआई के पास बनाए रखना आवश्यक है।
- **सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर)** : एनडीटीएल बैंकों को अपना हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों जैसी सुरक्षित और तरल परिसंपत्तियों में रखना चाहिए।
- **खुले बाजार परिचालन (ओएमओ)** : तरलता प्रबंधन के लिए सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री।
- **बाजार स्थिरीकरण योजना:** इसका उपयोग अल्पावधि सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री के माध्यम से पूंजी प्रवाह से अधिशेष तरलता को अवशोषित करने के लिए किया जाता है।

मौद्रिक नीति समिति (एम.पी.सी)

- **उत्पत्ति :** संशोधित आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45जेडबी के तहत गठित।
- **उद्देश्य :** मुद्रास्फीति लक्ष्य को पूरा करने के लिए नीति दर निर्धारित करना।
- **संरचना-** 6 सदस्य,
  - आरबीआई गवर्नर (अध्यक्ष)
  - मौद्रिक नीति के प्रभारी उप गवर्नर
  - बोर्ड द्वारा नामित एक आरबीआई अधिकारी
  - अर्थशास्त्र, बैंकिंग, वित्त या मौद्रिक नीति में विशेषज्ञता वाले सरकार द्वारा नियुक्त 3 सदस्य।

विश्व आर्थिक मंच वार्षिक बैठक 2025

चर्चा में क्यों ?

विश्व आर्थिक मंच 2025 की वार्षिक बैठक स्विट्जरलैंड के दावोस में संपन्न हुई, जिसमें वैश्विक नेता "बुद्धिमान युग के लिए सहयोग" विषय के अंतर्गत महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए।

मुख्य अंश

- **स्थिरता:** व्यवसायों को लचीलेपन और लाभप्रदता के लिए विकास को स्थिरता लक्ष्यों के साथ संरेखित करना होगा।
- **उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ:** एआई और हरित तकनीक अवसर प्रदान करती हैं, लेकिन नैतिक और कुशल कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार ढांचे की आवश्यकता होती है।
- **साझेदारियां:** बहु-क्षेत्रीय सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें 2030 तक 12 ट्रिलियन डॉलर के अवसर पैदा करने की क्षमता है।
- **जलवायु कार्रवाई:** तत्काल डीकार्बोनाइजेशन से श्रमिकों और समुदायों के लिए न्यायोचित परिवर्तन सुनिश्चित होना चाहिए।

विश्व आर्थिक मंच 2025 में भारत

- **निवेश में उछाल:** भारत ने 20 लाख करोड़ रुपए प्राप्त किए, जिसमें महाराष्ट्र का हिस्सा 80% रहा।
- **राज्य योगदान:** तेलंगाना ₹1.79 लाख करोड़, केरल औद्योगिक विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, तथा उत्तर प्रदेश का लक्ष्य 2029 तक शून्य गरीबी के साथ 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है।

विश्व आर्थिक मंच

- **स्थापना:** 1971 में क्लॉस श्वाब द्वारा यूरोपीय प्रबंधन फोरम के रूप में स्थापित, 1987 में इसका नाम बदलकर WEF कर दिया गया। 2015 में इसे एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में मान्यता दी गई, इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।
- **उद्देश्य:** आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक नेताओं को शामिल करना, हितधारक पूंजीवाद को बढ़ावा देना - सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य को प्राथमिकता देना।
- **वार्षिक बैठक:** स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित, जिसमें अर्थव्यवस्था, जलवायु, तकनीक और भू-राजनीति जैसे वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 3,000 से अधिक विश्व नेता, अधिकारी और विशेषज्ञ भाग लेते हैं।
- **रिपोर्ट और सूचकांक:** वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता, लिंग अंतर, नौकरियों का भविष्य, वैश्विक जोखिम और टीटीडीआई (यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक) जैसी प्रमुख रिपोर्ट प्रकाशित करता है।
- **प्रभाव:** जी-20 गठन सहित प्रमुख कूटनीतिक प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

WORLD ECONOMIC FORUM

लोगो: विश्व आर्थिक मंच

स्वायत्त पहल

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में, सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने नई दिल्ली में SWAYATT पहल (स्टार्टअप, ई-लेनदेन के माध्यम से महिलाओं और युवाओं को लाभ) के छह साल पूरे होने का जश्न मनाया।

स्वायत्त पहल के बारे में

- सार्वजनिक खरीद में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों और युवाओं को बढ़ावा देने के लिए 19 फरवरी, 2019 को लॉन्च किया गया।
- इसका उद्देश्य स्टार्टअप्स, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों, स्वयं सहायता समूहों और हाशिए पर पड़े समूहों के लिए सामाजिक समावेशन, व्यापार करने में आसानी और प्रत्यक्ष बाजार पहुंच को बढ़ाना है।
- प्रशिक्षण, अंतिम-मील विक्रेताओं को शामिल करने, तथा सरकारी खरीद में लघु-स्तरीय व्यवसायों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

सरकारी ई मार्केटप्लेस

- सरकारी मंत्रालयों, विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों के लिए भारत के राष्ट्रीय खरीद पोर्टल के रूप में 2016 में स्थापित।
- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग के सहयोग से विकसित किया गया।
- एक पूर्णतया डिजिटल, कागज रहित और नकदी रहित प्लेटफॉर्म जो न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ पारदर्शी खरीद सुनिश्चित करता है।

4 इतिहास

आदि महोत्सव – 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत की राष्ट्रपति, श्रीमती. द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव, 'आदि महोत्सव' का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित यह महोत्सव भारत की जीवंत जनजातीय विरासत, संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करता है।
- इसका आयोजन 16 से 24 फरवरी, 2025 तक नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में किया जाएगा।

काशी तमिल संगमम 3.0

चर्चा में क्यों ?

तमिलनाडु और काशी के बीच गहरे सांस्कृतिक बंधन को मजबूत करने के लिए काशी तमिल संगमम (केटीएस 3.0) का तीसरा संस्करण वाराणसी (काशी), उत्तर प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है।

केटीएस 3.0 की मुख्य विशेषताएं

- यह आयोजन ऋषि अगस्त्य की विरासत का सम्मान करता है और प्रयागराज में महाकुंभ मेले के साथ संरेखित होता है।
- **केंद्रीय विषय:** ऋषि अगस्त्य की विरासत।
- **पिछले संस्करण:** 2022 में पहला संस्करण और 2023 में दूसरा संस्करण।
- तमिलनाडु से लगभग 1,000 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जिनमें छात्र, शिक्षक, लेखक, किसान, कारीगर, उद्यमी और स्वयं सहायता समूह शामिल हैं।

ऐतिहासिक महत्व

- काशी और तमिलनाडु के बीच संबंध 15वीं शताब्दी से शुरू होता है, जब मदुरै के राजा पराक्रम पांड्या तमिलनाडु में शिवकाशी मंदिर की स्थापना के लिए काशी से एक पवित्र शिवलिंग लेकर आए थे।
- पांड्य राजाओं ने तेनकाशी (केरल सीमा के पास) में काशी विश्वनाथ मंदिर का भी निर्माण कराया, जो इस आध्यात्मिक संबंध को दर्शाता है।

केटीएस के उद्देश्य

- ज्ञान साझा करना - दोनों क्षेत्रों के विद्वानों, कारीगरों और पेशेवरों को जोड़ना।
- शैक्षणिक सहयोग - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ावा देना।
- सांस्कृतिक संवर्धन - तमिलनाडु की कला, साहित्य और व्यंजनों का प्रदर्शन।
- युवा संलग्नता - छात्रों को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना।

लोगो: काशी तमिल संगमम (क्रेडिट पीआईबी)

महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती

चर्चा में क्यों ?

इस वर्ष महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती 23 फरवरी को मनाई गई।

महर्षि दयानंद सरस्वती कौन थे ?

- 12 फरवरी 1824 को टंकारा, गुजरात में मूलशंकर तिवारी का जन्म हुआ।
- एक दार्शनिक, समाज सुधारक और आर्य समाज (1875) के संस्थापक, उन्होंने 1876 में स्वराज ("भारतीयों के लिए भारत") की वकालत की।

- सत्यार्थ प्रकाश (सत्य व्याख्या) के लेखक।
- उन्होंने वर्गविहीन, जातिविहीन समाज को बढ़ावा दिया और "वेदों की ओर लौटो" का नारा दिया।
- जन्म के आधार पर नहीं, बल्कि व्यवसाय के आधार पर चतुर्वर्ण व्यवस्था का समर्थन किया।

शिक्षा में योगदान

- शिक्षा को आधुनिक बनाने के लिए 1886 में दयानंद एंग्लो वैदिक (डीएवी) स्कूलों की स्थापना की।
- पहला डीएवी स्कूल लाहौर में महात्मा हंसराज की अध्यक्षता में स्थापित किया गया था।

आर्य समाज के बारे में

- स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 में बम्बई (अब मुंबई) में हिंदू धर्म के अंतर्गत आर्य समाज की स्थापना की थी।
- एक सुधार आंदोलन जिसका उद्देश्य वेदों को अंतिम सत्य के रूप में पुनर्जीवित करना था।
- मूर्ति पूजा, जन्म से जाति प्रथा, बाल विवाह, छुआछूत और कर्मकांड का विरोध करता है।
- महिला शिक्षा, अंतर्जातीय विवाह और कल्याणकारी पहल जैसे सामाजिक सुधारों की वकालत करता है।
- शुद्धि (पुनर्धर्मांतरण) और गौरक्षा को बढ़ावा देने जैसे आंदोलनों के लिए जाने जाते हैं।
- पश्चिमी और उत्तरी भारत में सबसे मजबूत उपस्थिति।

स्वामी दयानंद सरस्वती

वीर सावरकर

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को उनकी पुण्यतिथि (26 फरवरी) पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

वीर सावरकर- मुख्य तथ्य

- **जन्म:** 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक के पास भगूर में जन्मे।
- **संबंधित संगठन और कार्य**
  - 1904 में गुप्त संगठन अभिनव भारत सोसाइटी की स्थापना की।
  - ब्रिटेन में इंडिया हाउस और फ्री इंडिया सोसाइटी से जुड़े।
  - हिंदू महासभा के अध्यक्ष (1937-1943) के रूप में कार्य किया।
  - उन्होंने 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास' लिखा, जिसमें 1857 के विद्रोह में गुरिल्ला युद्ध का विस्तृत विवरण दिया गया है।
  - 'हिंदुत्व: हिंदू कौन है?' नामक पुस्तक लिखी, जिसमें हिंदुत्व विचारधारा को परिभाषित किया गया।
- **मौत :** 26 फरवरी 1966 को स्वैच्छिक उपवास के कारण उनकी मृत्यु हो गई।

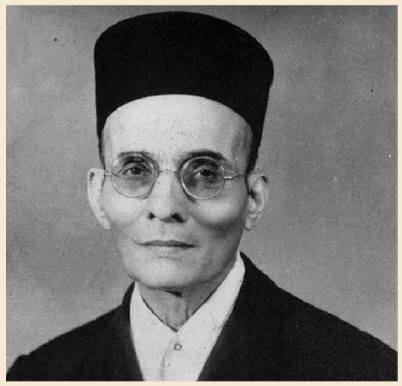

वीर सावरकर

5 विश्व मामले

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन

चर्चा में क्यों ?

ब्राज़ील की सरकार ने हाल ही में प्रमुख तेल निर्यातक देशों के गठबंधन ओपेक+ में देश की सदस्यता को अधिकृत किया है।

ओपेक+ के बारे में

- ओपेक+ 22 तेल निर्यातक देशों का गठबंधन है।
- वैश्विक बाजार में बेचे जाने वाले कच्चे तेल की मात्रा तय करने के लिए समूह नियमित रूप से बैठक करता है।
- इसका प्राथमिक उद्देश्य तेल उत्पादन में समन्वय स्थापित करना तथा तेल बाजार में स्थिरता सुनिश्चित करना है।

मूल

- ओपेक और गैर-ओपेक तेल उत्पादक देशों के बीच सहयोग को औपचारिक बनाने के लिए 2016 के अंत में इसकी स्थापना की गई।
- यह रूपरेखा तेल उत्पादन निर्णयों पर नियमित और टिकाऊ सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई थी।

ओपेक क्या है ?

- तेल निर्यातक देशों का एक स्थायी अंतर-सरकारी संगठन।
- इसकी स्थापना 1960 में पांच देशों द्वारा की गई थी: ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला।
- वर्तमान सदस्यों में संस्थापक राष्ट्रों के अलावा अल्जीरिया, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, लीबिया, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।
- अंगोला 1 जनवरी 2024 को ओपेक से बाहर हो जाएगा।
- मुख्यालय: वियना, ऑस्ट्रिया में स्थित है।

बंगाल की खाड़ी अंतर-सरकारी संगठन

चर्चा में क्यों ?

भारत ने मालदीव के माले में आयोजित 13वी गवर्निंग काउंसिल की बैठक के दौरान बांग्लादेश से बंगाल की खाड़ी अंतर-सरकारी संगठन की अध्यक्षता संभाल ली है।

बंगाल की खाड़ी अंतर-सरकारी संगठन के बारे में

- 2003 में स्थापित यह एक विशिष्ट क्षेत्रीय मत्स्यपालन निकाय है, जो बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में लघु/कारीगर मछुआरों के लिए आजीविका के अवसरों को बढ़ाने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर केंद्रित है।
- यह संगठन संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के बंगाल की खाड़ी कार्यक्रम से विकसित हुआ, जिसकी शुरुआत 1979 में हुई थी।
- इसने कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में अंतर्राष्ट्रीय मानक स्थापित किए हैं, जिनसे लघु मत्स्य पालन क्षेत्र में इसके सदस्य देशों को उल्लेखनीय लाभ प्राप्त हुआ है।

सदस्य देश

- बांग्लादेश, भारत, मालदीव और श्रीलंका इसके पूर्ण सदस्य हैं।
- इंडोनेशिया, मलेशिया, म्यांमार और थाईलैंड सहयोगी गैर-अनुबंधित पक्षों के रूप में भाग लेते हैं।

उद्देश्य

- टिकाऊ समुद्री मत्स्य प्रबंधन पर जागरूकता और ज्ञान को बढ़ावा देना।
- लघु-स्तरीय मत्स्य पालन के लिए प्रशिक्षण, शिक्षा और प्रासंगिक प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के माध्यम से कौशल में वृद्धि करना।
- क्षेत्रीय सूचना नेटवर्क स्थापित करना और समुद्री मत्स्य पालन मूल्य श्रृंखला में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2024

चर्चा में क्यों ?

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2024 के अनुसार, भारत 38 अंक प्राप्त कर 180 देशों में 96 वें स्थान पर है।

- सीपीआई देशों के सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के कथित स्तर को 0 (अत्यधिक भ्रष्ट) से 100 (बहुत साफ) के पैमाने पर मापता है।

वैश्विक और क्षेत्रीय रैंकिंग

- डेनमार्क सबसे कम भ्रष्ट देश के रूप में पहले स्थान पर है, उसके बाद फिनलैंड (दूसरे) और सिंगापुर (तीसरे) का स्थान है।
- सर्वाधिक भ्रष्ट देशों में दक्षिण सूडान, सोमालिया, वेनेजुएला और सीरिया शामिल हैं।

प्रकृति 2025

चर्चा में क्यों ?

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो ने कार्बन बाज़ारों पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - प्रकृति 2025 (परिवर्तनकारी पहलों को एकीकृत करने के लिए लचीलापन, जागरूकता, ज्ञान और संसाधनों को बढ़ावा देना) की मेजबानी की।

प्रमुख विशेषताएं

- **भारत का कार्बन बाजार:** यूरोपीय संघ की कार्बन सीमा समायोजन प्रणाली जैसी वैश्विक नीतियों से प्रभावित, इस्पात और उच्च उत्सर्जन उद्योगों पर प्रभाव, जिसके लिए तत्काल घरेलू सुधार की आवश्यकता है।
- **यूरोपीय संघ का कार्बन सीमा समायोजन प्रणाली:** आयात पर उचित कार्बन मूल्य निर्धारण सुनिश्चित करता है, उन्हें यूरोपीय संघ द्वारा उत्पादित वस्तुओं के साथ संरेखित करता है और स्वच्छ औद्योगिक उत्पादन को प्रोत्साहित करता है।
- **कार्बन बाज़ार:** पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत, वे संस्थाओं को ग्रीनहाउस गैस न्यूनीकरण परियोजनाओं को वित्तपोषित करके उत्सर्जन की भरपाई के लिए कार्बन क्रेडिट का व्यापार करने की अनुमति देते हैं।
- **भारत का कार्बन बाज़ार**
  - सीडीएम (स्वच्छ विकास तंत्र) परियोजना पंजीकरण में विश्व स्तर पर दूसरा स्थान।
  - पीएटी योजना (प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार) ने 2015 से 106 मिलियन टन CO_2 की बचत की है।
  - ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा विनियमित।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो

- ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के अंतर्गत 2002 में स्थापित।
- नीतियों और स्व-नियमन के माध्यम से ऊर्जा तीव्रता को कम करने के लिए विद्युत मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

6 विविध

पुरस्कार

ग्रैमी अवार्ड

चर्चा में क्यों ?

चंद्रिका टंडन ने 67 वें ग्रैमी पुरस्कार (2 फरवरी, 2025, लॉस एंजिल्स) में 'त्रिवेणी' के लिए सर्वश्रेष्ठ न्यू एज, एम्बिएंट या चैंट एल्बम का ग्रैमी पुरस्कार जीता।

एल्बम थीम: प्राचीन संस्कृत मंत्रों और वाद्य-यंत्रों के संयोजन का उपयोग करते हुए उपचार, आंतरिक शांति और ध्यान।

ग्रैमी पुरस्कारों का अवलोकन

- **परिचय:** 1959 में स्थापित ग्रैमी पुरस्कार, संगीत उद्योग में उत्कृष्टता को सम्मानित करने के लिए रिकॉर्डिंग अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित पुरस्कार हैं।
- **पुरस्कारों की श्रेणियाँ:** पॉप, रॉक, क्लासिकल, जैज़ और हिप हॉप जैसी शैलियों को कवर करने वाली कई श्रेणियाँ हैं। प्रमुख पुरस्कारों में एल्बम ऑफ़ द ईयर, रिकॉर्ड ऑफ़ द ईयर, सॉन्ग ऑफ़ द ईयर और बेस्ट न्यू आर्टिस्ट शामिल हैं।
- **मतदान प्रक्रिया:** विजेताओं का निर्धारण रिकॉर्डिंग अकादमी के सदस्यों द्वारा आयोजित मतदान प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है, जिसमें संगीतकार, निर्माता और रिकॉर्डिंग इंजीनियर शामिल होते हैं।
- **विशेष पुरस्कार:** प्रतिस्पर्धी श्रेणियों के अलावा, लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार और ट्रस्टीज़ पुरस्कार जैसे मानद पुरस्कार संगीत में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हैं।

चंद्रिका टंडन (साभार: इंडिया टुडे)

आईसीसी अंडर-19 महिला विश्व कप

चर्चा में क्यों ?

- भारतीय महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर आईसीसी महिला अंडर-19 टी-20 विश्व कप जीत लिया।

आईसीसी अंडर-19 महिला विश्व कप के बारे में

- यह 19 वर्ष से कम आयु की महिला खिलाड़ियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट है।
- इसका उद्घाटन संस्करण 2023 में होगा और टूर्नामेंट हर दो साल में आयोजित किया जाता है।
- **प्रारूप :** यह टूर्नामेंट ट्वेंटी-20 (टी-20) प्रारूप का है, जहां प्रत्येक टीम 20 ओवर तक सीमित एक पारी खेलती है।
- **प्रतिभागी:** इस प्रतियोगिता में 16 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें आईसीसी के पूर्ण सदस्य और सहयोगी देश दोनों शामिल हैं, जो विश्व स्तर पर महिला क्रिकेट के विकास को बढ़ावा दे रही हैं।
- **2025 संस्करण:**
  - **मेजबान देश:** मलेशिया ने टूर्नामेंट की मेजबानी की, जिसके मैच कुआलालंपुर के बयूमास ओवल जैसे स्थानों पर खेले गए।

भारतीय महिला अंडर-19 क्रिकेट टीम

महत्वपूर्ण तिथियाँ एवं घटनाएँ

दिन	तारीख	विषय/उद्देश्य
विश्व आर्द्रभूमि दिवस	2 फरवरी	हमारे साझा भविष्य के लिए आर्द्रभूमियों की सुरक्षा
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी	अद्वितीय द्वारा संयुक्त
विश्व यूनानी दिवस	11 फरवरी	एकीकृत स्वास्थ्य समाधान के लिए यूनानी चिकित्सा में नवाचार – आगे की राह
राष्ट्रीय महिला दिवस	13 फरवरी	सरोजिनी नायडू की जयंती पर सम्मान

चर्चित व्यक्तित्व

व्यक्तित्व	विवरण	चर्चा में क्यों ?
रेणुका सिंह	भारतीय क्रिकेटर	चल रहे डब्ल्यूपीएल में पर्पल कैप धारक बने।
जी कमलिनी	अंडर-19 विश्व कप 2025 की भारतीय टीम के सदस्य	महिला प्रीमियर लीग में सबसे कम उम्र की पदार्पण खिलाड़ी
शेख तमीम बिन हमद अल थानी	कतर राज्य के अमीर	वह भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं